B.KUMAR'S ACADEMY

विषय : हिंदी | **कुल अंक : 80**

कक्षा : 10 (S.B.) **PRELIM QUESTION PAPER - 01** **समय : 3 घंटे**

खंड - 'अ' (वस्तुपूरक प्रश्न २० अंक)

प्र.१: निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

बालक प्राथमिक शाला से लेकर देश - विदेश के ऊँचे-से-ऊँचे महाविद्यालयों में सीखकर जो योग्यता प्राप्त करता है, वे शिक्षालय या तो सरकार द्वारा चलाए जाते हैं, जिनका खर्च आम जनता से टैक्स के रुप में वसूल किए हुए पैसे से चलता है या दानी लोगों की कृपा से। जो कुछ पढ़ने की फीस दी जाती है, वह तो खर्च हिसाब से नगण्य है। उसको समाज का अधिक कृतज्ञ रहना चाहिए कि उस पैसे के बल पर वह विद्या पढ़कर योग्यता प्राप्त कर सका। इस सारी शिक्षा में जो कुछ ज्ञान मिलता है,वह भी मिलता है। व्यापारी और उद्योगपति भी व्यापार की कला विद्यालयों से, अपने साथियों से एवं समाज से प्राप्त करते है।

जब अपनी योग्यता प्राप्त करने में हमारा खुद का हिस्सा अल्पतम है और समाज की कृपा का अंश अत्यधिक तो हमें जो योग्यता प्राप्त हुई है उसका उपयोग समाज को अधिक-से-अधिक देना और उसके बदले में समजा से कम-से-कम देने की इच्दा रखता है, समाज से अधिक-से-अधिक लेने का प्रयत्न करता है, कुछ भी न देना पड़े तो उसे रंज नहीं होता।

यह गंभीर बुनियादी सवाल है कि क्या बुद्धि का उपयोग विषम व्यवस्था को कायम रखकर पैसे कमाने के लिए करना उचित है? यह तो साफ दीखता है कि आर्थिक विषमता का एक मुख्य कारण बुद्धि का ऐसा उपयोग ही है। शोषण भी प्राय: उसी से होता है। समाज में जो आर्थिक और सामाजिक विषमताएँ चल रही हैं और जिससे शोषण, अशांति होती है, उसे मिटाने के लिए जगत में अनेक योजनाएँ अब तक सामने आई और इनमें कुछ पर अमल भी हो रहा है। अहिंसा द्वारा यह जटिल प्रश्न हल करना हो तो गांधीजी ने इस आशय का सूत्र बताया, ''पेट भरने के लिए हाथ-पैर और ज्ञान प्राप्त करने और ज्ञान देने के लिए बुद्धि। ऐसी व्यवस्था हो कि हर एक को चार घंटे शरीर श्रम करना पड़े और चार घंटे बौद्धिक काम करने का मौका मिले और चार घंटो के शरीर श्रम से इतना मिल जाए कि उसका निर्वाह चल सके।''

अभी समाज में यह चल रहा है कि बहुत से लोग अपनी आजीविका शरीर श्रम से चलाते हैं और थोड़े बौद्धिक श्रम से। जिनके पास संपत्ति अधिक है, वे आराम में रहते हैं। अनेक लोगों में श्रम करने की आदत भी नहीं है। इस दशा में उक्त नियम का अमल होना दूर की बात है फिर भी उसके पीछे जो तथ्य है, वह हमें स्वीकार करना चाहिए भले ही हमारी दुर्बलता के कारण हम उसे ठीक तरह से न निभा सकें क्योंकि आजीविका की साधन-सामग्री किसी-न-किसी के श्रम बिना हो ही नहीं सकती।

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए।

१) १

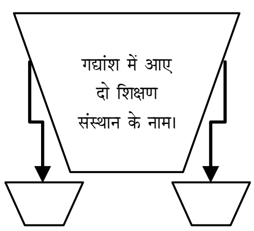

२) १

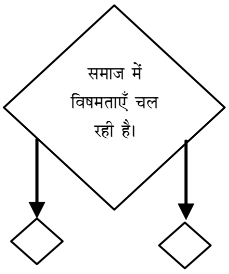

A2) वाक्य को घटना क्रमानुसार लिखिए। २

१) लोगों में श्रम करने की आदत भी नहीं है।

२) यह गंभीर बुनियादी सवाल है।

३)शोषण भी प्राय: उसी से होता है।

४)टैक्स के रुप में वसूल किए हुए पैसे से चलता है।

A3) २

१) निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग करके लिखिए।

दुर्भाग्य	उपसर्ग	मूल शब्द
अतिआवश्यक	उपसर्ग -.....	मूल शब्द - ....

२) गद्यांश में से योजक शब्द ढूंढ कर लिखिए।

क) .... ख) ....

A4) स्वमत :- २

"श्रम विभाजन का अर्थ।"

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ८

तिवारी जी : अपने समय के लेखकों में आप किन्हें पसंद करते हैं?

नागर जी :अगर दिल से पूछो तो एक ही आदमी। उसे बहुत प्यार करता हूँ। वह है रामविलास शर्मा। प्रभातकुमार मुखोपाध्याय का संग्रह 'देशी और विलायती' अगर मिल जाए तो फिर पढ़ना चाहूँगा। बदलते हुए भारतीय समाज के सुंदर चित्र हैं उसकी कहानियों में। टॉल्स्टॉय और चेखव की रचनाएँ भी मुझे प्रिय हैं।

तिवारी जी : आपने तो पत्रों का भी बहुतसंकलन किया है ?

नागर जी :हाँ बहुत । पत्रों का संग्रह भी काफी है, लेकिन वह व्यवस्थित नहीं है। मैंने प्रत्येक जाति के रीति-रिवाज भी इकट्ठे किए हैं। इसके लिए घूमना बहुत पड़ा है। बड़े-बूढों से सुनकर भी बहुत कुछ प्राप्त किया है। 'गदर के फूल' के लिए मुझे बहुत लोगों से मिलना-जुलना पड़ा।

तिवारी जी : आपने अपने उपन्यासों के लिए फिल्डवर्ड बहुत किया है।

नागर जी : हाँ, बहुत करना पड़ा है। 'नाच्यो बहुत गोपाल' के लिए सफाई कर्मियों की बस्तियों में जाना पड़ा। उनके रीति-रिवाजों का अध्ययन करना पड़ा।

तिवारी जी : नागर जी, क्या आप मन और प्राण को अलग-अलग मानते हैं?

नागर जी : हाँ, प्राण को मन से अलग करना पड़ेगा। मन की गति आगे तक है। प्राण को वहाँ तक खींचना पड़ता है। मन एक ऐसा निर्मल जल है जिससे जीवन के संस्कार रँगते हैं। मन, प्राण से ही सधता है।

तिवारी जी : सूर में आपने मन को ही पकड़ा है।

नागर जी :हाँ, सूर ने एक जगह लिखा है -'मैं दसों दिशाओं में देख लेता हूँ।' जब पूरी प्राणशक्ति एक जगह केंद्रित होगी तो 'इंटयूटिव आई' बनाएगी।

तिवारी जी : नागर जी, हम लोगों ने आपका बहुत समय लिया, बल्कि आपकी उम्र और स्वास्थ का भी लिहाज नहीं किया।

नागर जी : स्वास्थ ठीक है मेरा। पत्नी की मृत्यू के बाद एक टूटन आ गई थी, लेकिन फिर मैंने सोचा कि लिखने के सिवा और चारा क्या है। तुम लोग यह मनाओ कि जब तक जिंदा रहूँ, लिखता रहूँ।

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

१)

२)

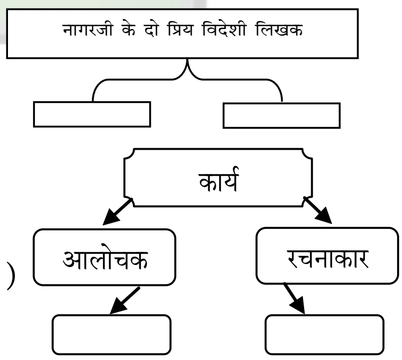

A2) उचित जोड़िया मिलाइए। २

A-1, Ground Floor, Green Park Building Shastri Nagar, near Indian Overseas Bank,
Vasai West, Vasai-Virar, Maharashtra 401202 +91 9619619937, 0250-2334511

‘अ’ गट	‘ब’ गट
१) उपन्यासों	अ) ठीक है
२) एक जगह केंद्रित	ब) लिखता रहूँ
३) जिंदा रहूँ	क) प्राणशक्ति
४) स्वास्थ	ड) फील्डवर्क

A3) विरूध्दार्थी शब्द (विलोम) लिखिए। २

१) व्यवस्थित × २) मृत्यु ×

परिच्छेद में आए दो शब्द युग्म चुनकर लिखिए।

१) ………… २) …………

A4) स्वमत :- २

“पत्र लेखन की आवश्यकता क्यों है” इस बारे में अपने विचार लिखिए?

इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ४

विश्व में सूचना और प्रौद्योगिकी क्रांति के कारण सूचना युग का पदार्पण हो चुका है। सूचना प्रौद्योगिकी के कारण ही दूरसंचार कंप्यूटर विज्ञान और इंटरनेट क्षेत्र में बहुत तेजी से प्रगति हुई है। कंप्यूटर विज्ञान का अभ्दुत चमत्कार है और उसमें इंटरनेट सुविधा तो सोने पर सुहागा है। इंटरनेट की सुविधा ने ज्ञान-विज्ञान तथा संचार सुविधा को और भी सुगम बना दिया है। इंटरनेट ने पूर विश्व को अपनी मुट्ठी में कर लिया है। इंटरनेट के माध्यम से हम आसमान के ऊपर, समुद्र के अंदर, अतीत, भविष्य, या विश्व के बारे में कोई भी जानकारी हासिल कर सकते हैं। संदेशों के आदान-प्रदान के लिए ई-मेल का व्यवहार व्यापक स्तर पर हो रहा है। आज इंटरनेट हर घर तथा हर व्यक्ति की जरुरत बन गया है।

A1) वाक्य को घटना क्रमानुसार लिखिए। २

१) इंटरनेट ने पूरे विश्व को अपनी मुट्ठी में कर लिया है।

२) कंप्यूटर विज्ञान का अद्भुत चमत्कार है।

३) संदेशों के आदान-प्रदान के लिए ई-मेल का व्यवहार व्यापक स्तर पर हो रहा है।

४) विश्व में सूचना युग का पदार्पण हो चुका है।

A2) स्वमत :- २

क्या इंटरनेट का दुरुपयोग किया जा रहा है? इस पर अपने विचार लिखिए।

विभाग २ - पदय (१२ अंक)

प्र. २:अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। - ६

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, पर उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान करलूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।
चूसकर श्रम रक्त जिसका, जगत में मधुरस बनाया,
एक-सी जिसको बनाई, सृजक ने भी धूप-छाया,
मनुजता के ध्वज तले, आव्हान उसका आज करलूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

A1) उचित जोड़िया मिलाइए। २

‘अ’ गट	‘ब’ गट
१) जगत	अ) अभिमान
२) दीनता	ब) श्रम
३) मनुजता	क) मधुमास
४) चूसकर	ड) ध्वज तल

A2) पद्यांश में आए इन शब्दों के लिए प्रयुक्त शब्द है। २

१) सृजक २) तलवार

प्रत्यय अलग करके मूल शब्द लिखिए।

१) अभिमानी २) मनुजता

A3) स्वमत :- २

हाथ में संतोष …….. का गान कर लूँ।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ६

हरि बिन कूण गती मेरी।।
तुम मेरे प्रतिपाल कहिये मैं रावरी चेरी।।
आदि-अंत निज नाँव तेरो हीमायें फेरी।

B.KUMAR'S ACADEMY

बेर-बेर पुकार कहूँ प्रभु आरति है तेरी।।
यौ संसार बिकार सागर बीच में घेरी।
नाव फाटी प्रभु पाल बाँधो बूड़त है बेरी ।।
बिरहणि पिवकी बाट जौवै राखल्यो नेरी।
दासी मीरा राम रटत है मैं सरण हूँ तेरी।

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

१)

२) 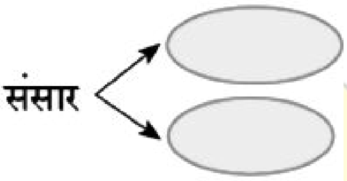

A2) पद्यांश में आए शब्दयुग्म लिखिए। २

१) .... २) ....

समानार्थी शब्द लिखिए।

१) सागर -......... २) संसार - ....

A3) स्वमत :- २

प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

विभाग ३ - पूरक पठन (८ अंक)

प्र.३:अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ४

पान-जैसी पतली छुरी से बाँस की तीलियाँ और कमानियों को चिकनाता हुआ सिरचन अपने काम में लग गया। रंगीन सुतलियाँ में झब्बे डालकर वह चिक बुनने बैठा। डेढ़ हाथ की बिनाई देखकर ही लोग समझ गए कि इस बार एकदम नये फैशन की चीज बन रही हैं।

मँझली भाभी से नहीं रहा गया। परदे की आड़ से बोली,''पहले ऐसा जानती कि मोहर छापवाली धोती देने से ही अच्छी चीज बनती है तो भैया को खबर भेज देती।''

काम में व्यस्त सिरचन के कानों में बात पड़ गई । बोला, ''मोहर छापवाली धोती के साथ रेशमी कुरता देने पर भी ऐसी चीज नहीं बनती बहुरिया। मानू दीदी काकी की सबसे छोटी बेटी है... मानू दीदी का दुल्हा अफसर आदमी है!''

मँझली भाभी का मुँह लटक गया। मेरी चाची ने फुस-फुसाकर कहा, ''किससे बात करती है बहू? मोहर छापवाली धोती नहीं, मुँगिया लड्डू। बेटी की विदाई के समय रोज मिठाई जो खाने को मिलेगी। देखती है न!''

दूसरे दिन चिक की पहली पाँति में सात तारे जगमगा उठे, सात रंग के। सतभैया तारा! अपने काम में मगन सिरचन को खाने-पीने की सुध नहीं रहती। चिक में सुतली के फंदे डालकर उसने पास पड़े सूप पर निगाह डाली-चिउरा और गुड़ का एक सूखा ढेला। मैंने लक्ष्य किया, सिरचन की नाक के पास दो रेखाएँ उभर आई। मैं दौड़कर माँ के पास गया। ''माँ, आज सिरचन को कलेवा किसने दिया है, सिर्फ चिउरा और गुड़?''

A1) गद्यांश के आधार पर यह वाक्य किसने किससे कहा है। २

१) ''विदाई के समय रोज मिठाई जो खाने को मिलेगी।''

२) ''माँ, आज सिरचन को कलेवा किसने दिया है, सिर्फ चिउरा और गुड़?''

A2) स्वमत :- २

मजदूरों का सम्मान आप किस तरह करेंगे? अपने विचार ८ से १० वाक्यों में लिखिए।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ४

अजी क्या कहिए, हाँ क्या कहिए।
जिस मिट्टी में लक्ष्मीबाई जी, जन्मी थी झाँसी की रानी।
रज़िया सुलताना, दुर्गावती, जो खूब लड़ी थी मर्दानी।
जन्मी थी बीबी चाँद जहाँ, पद्मिनी के जौहर की ज्वाला।

सीता, सावित्री की धरती, जन्मी ऐसी-ऐसी बाला।
गर डींग जनाब उड़ाएँगे, तो मजबूरन ताने साहिए, ताने सहिए, ताने सहिए।
हम उस धरती की लड़की हैं...
यों आप खफा क्यों होती हैं, टंटा काहे का आपस में।
हमसे तुम या तुमसे हम बढ़-चढ़कर क्या रक्खा इसमें।
झगड़े से न कुछ हासिल होगा, रख देंगे बातें उलझा के।
बस बात पते की इतनी है, ध्रुव या रज़िया भारत माँ के।
भारत माता के रथ के हैं हम दोनों ही दो-दो पहिये, अजी दो पहिये, हाँ दो पहिये।
हम उस धरती की संतति है ...

A1) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में से अर्थ ढूँढ कर लिखिए। २

१) संतति - ....   २) डींग - ....

A2) स्वमत : २

लड़का-लड़की एक समान' विषय पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

विभाग ४ - (भाषा अध्ययन १४ अंक)

प्र.४:अ) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। १४

१) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए। १

इसी विद्वान के जीवन का एक **संस्मरण** बहुत मजेदार है।

२) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। १

क) के लिए   ख) जो

३) तालिका पूर्ण कीजिए। (कोई एक) १

	शब्द	संधि	नाम (भेद)
१)	....	सत्+जन	....
२)	उद्धार	....	व्यंजन संधि

४) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए। (कोई एक) १

१) ये उपवन बिक जाएगा ।

२) वे किसी के भी दुख-दर्द में तुरंत पहुँचते थे।

५) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय'प्रेरणार्थक क्रियारुप लिखिए। (कोई एक) १

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
१) डाँटना	....	....
२) मारना	....	....

६) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए । १

अपनी जीत से इतना ज्यादा **गदगद मत** हो।

(फूलकर कुप्पा होना, तारीफ के पुल बाँधना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

१) बिजली की तरह फैलना -

२) जान आफत में आना -

७) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। १

१) रोगन ने अच्छा काम किया।

२) आवाज ने मेरा ध्यान बँटाया।

८) वाक्य में यथास्थान विरामचिन्हों का प्रयोग कीजिए। १

१) मेरा मन पूछता है मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है।

२) राइटिंग पैड का क्या करोगी।

९) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (कोई दो) २

१) मैं ड्राइवर को बुला लाता हूँ । (सामान्य भूतकाल)

२) बिल्ली उसकी ओर देखती है।(सामान्य भूतकाल)

३) हम सब कुछ जानने का दंभ रखते हैं। (पूर्ण भूतकाल)

१०) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए। १

१) मोहन के साथ मेरी ऐसी घनिष्टता है जैसे पानी और चीनी।

ब) १) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। १

आज तो बड़ी तेज ठंड है। (विस्मयार्थक वाक्य)

२) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए। २

B KUMAR'S ACADEMY

१) हम चारों ही वहाँ अकेला था।

२) सुनकर राष्ट्रपति ने हँसी आ गया।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन २६ अंक

प्र.५: अ) १) पत्रलेखन - **५**

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए।

राजेश / रजनी शर्मा, मातोश्री छात्रालय, चिंचवड से अपने भाई सुयश शर्मा 'नंदनवन' कॉलोनी, नांदेड को योग का महत्व समझाने हेतु पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

अनिकेत/अनिशा सोनवणे, गांधी मार्ग, सांगली से मा.व्यवस्थापक, मीरा स्पोर्ट्स, आझाद चौक, सातारा को क्रिकेट खेल सामग्री की माँग करने हेतु पत्र लिखती हैं।

अथवा

शकील / शकीला खान, १०, आशियाना, टिळक नगर, लातूर से अपने मामा सलीम पठान, ३/३७ मीरा मंजिल, क्रांती चौक, औरंगाबाद को पत्र लिखकर उनके द्वारा दी गई सूचनाओं के अनुसार पढाई जारी रखने के संदर्भ में पत्र लिखता / लिखती है।

गद्य आकलन - **४**

निम्नलिखित परिच्छेद पढकर एक - एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों।

दक्षिण और पश्चिमी भारत में स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा समाज सेवा की एक पुरानी परंपरा है । सादा जीवन, उच्च विचार और कठिन परिश्रम। इस परंपरा में अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ विकसित हुई हैं। उनमें से कुछ संस्थाएँ पर्यावरण की सुरक्षा में भी काम कर रही हैं। पर्यावरण की सुरक्षा में भी काम कर रही हैं। इन संस्थाओं को काफी पढे-लिखे लोगों, वैज्ञानिकों और शिक्षकों का सामायिक सहयोग मिलता रहता है। अभाग्यवश अनेक स्वैच्छिक संस्थाएँ दलगत राजनीति में अधिक विश्वास करती हैं और उनके आधार पर सरकारी सहायता लेने का प्रयास करती हैं। पर्वतीय क्षेत्र में सादगी की अभी यही व्यवस्था चलती है और इसलिए 'चिपको' आंदोलन बहुत हद तक सफल हुआ है। 'गाँधी शांति प्रतिष्ठान' तथा कुछ गांधीवादी संगठनों ने भी इस दिशा में प्रशंसनीय कार्य किया है। सरला बहन ने अल्माडा में इस काम की शुरुआत तब की थी जबकि पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरुकता नहीं थी । श्री प्रेमभाई और डॉ.रागिनी प्रेम ने मिर्जापुर में पर्यावरण पर प्रशंसनीय काम किया है।

(आ) (१) वृत्तांत लेखन - **५**

समता विद्यालय, फुले नगर में मनाए गए 'बालिका दिवस' समारोह का लगभग ६० से ८० शब्दों में वृतांत लेखन कीजिए । वृतांत में स्थल, काल, घटना का होना अनिवार्य है)

अथवा

कहानी लेखन -

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखिए, और उचित शीर्षक दीजिए।

भिखारी - भीख माँगना - एक व्यक्ति का रोज देखना - फूलों का गुच्छा देना - भिखारी का फूल बेचना - मंदिर के सामने दुकान खोलना।

(२) विज्ञापन लेखन - **५**

नृत्य कला अकादमी, थाना द्वारा नृत्य कला सिखाने हेतु एक नृत्य शिक्षक चाहिए, इस आशय का विज्ञापन तैयार कीजिए ।

(इ) निबंध लेखन - **७**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों मे निबंध लिखिए।

(१) बस - स्थानक पर आधा घंटा

(२) मजदूर की आत्मकथा

(३) पुस्तकों का महत्त्व

***

B. KUMAR'S ACADEMY

B.KUMAR'S ACADEMY

विषय : हिंदी | कुल अंक : 80

कक्षा : 10 (S.B.) **PRELIM QUESTION PAPER - 02** समय : 3 घंटे

विभाग १ - गदय २० अंक

प्र.१: निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

आपसे यह बात शान के तहत नहीं कर रहा पर इसलिए कि ये बातें अब हमारे लिए आदर्श बन गई हैं। सक्रिय राजनीति में आने पर, सरकारी पद पाने के बाद क्या उसका दुरुपयोग करने की हिम्मत मुझमें हो सकती है? आप ही सोचें, मेरे बच्चे कहते हैं कि पापा, आप हमें साइकिल से भेजते हैं। पानी बरसने पर रिक्शे से स्कूल भेजते हैं पर कितने ही दूसरे लोगों के लड़के सरकारी गाड़ी से आते हैं। वे छोटे हैं उन्हें कलेजा चीरकर नहीं बता सकता। समझाने की कोशिश करता हूँ। जानता हूँ, मेरा यह समझाना कितना कठिन है फिर भी समय होने पर कभी-कभी अपनी गाड़ी से छोड़ देता हूँ। अपना सरकारी ओहदा छोड़कर आया हूँ और आपके साथ यह सब फिर जिक्र कर तनिक ताजा और नया महसूस करना चाहता हूँ। कोशिश करता हूँ, नींव को पुन: सँजोना - सँवारना कि मेरे मन का महल आज के इस तूफानी झंझावत में खड़ा रह सके।

याद आते हैं बचपन के वे हसीन दिन, वे पल, जो मैंने बाबू जी के साथ बिताए। वे अपना व्यक्तिगत काम मुझे सौंप देते थे और मैं कैसा गर्व अनुभव करता था। एक होड़ थी, जो हम भाइयों में लगी रहती थी। किसे कितना काम दिया जाता है और कौन उसे कितनी सफाई से करता है।

एक दिन बोले- ‘‘सुनील, मेरी अलमारी काफी बेतरतीब हो रही है, तुम उसे ठीक कर दो और कमरा भी ठीक कर देना।

मैंने स्कूल से लौटकर वह सब कर डाला। दूसरे दिन मैं स्कूल जाने के लिए तैयार हो रहा था कि बाबू जी ने मुझे बुलाया। पुछा - ‘‘तुमने सब कुछ बहुत ठीक कर दिया, मैं बहुत खुश हूँ पर वे मेरे कुरते कहाँ है?’’

मैं बोला- ‘‘वे कुरते भला! कोई यहाँ से फट रहा था, कोई वहाँ से। वे सब मैंने अम्मा को दे दिए हैं।’’

उन्होंने पूछा - यह कौन - सा महीना चल रहा है?

मैंने जवाब दिया - अक्तूबर का अंतिम सप्ताह।

उन्होंने आगे जोड़ा - ‘‘अब नवंबर आएगा। जाड़े के दिने होंगे, तब ये सब काम आएँगे। ऊपर से कोट पहन लूँगा न!’’

मैं देखता रह गया। क्या कह रहे हैं बाबू जी। वे कहते जा रहे थे - ‘‘ये सब खादी के कपड़े हैं।

बड़ी मेहनत से बनाए हैं बीनने वालों ने इसका एक-एक सूत काम आना चाहिए।’’

यही नहीं, मुझे याद हैं, मैंने बाबू जी के कपड़ो की तरफ ध्यान देना शुरु किया था। क्या पहनते हैं, किस किफायत से रहते हैं। मैंने देखा था, एक बार उन्होंने अम्मा को फटा हुआ कुरता देते हुए कहा था - ‘इनके रुमाल बना दो।’

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

१) लेखक के बच्चों का कथन

A2) उचित जोड़िया मिलाइए। २

'अ' गट	**'ब' गट**
१) मेहनत से बनाए है	अ) अलमारी
२) कुरते	ब) एक होड़ थी
३) बेतरतीब हो रही	क) खादी के कपड़े
४) हम भाइयों मे	ड) अम्मा को दे दिए

A3) २

१) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए।

१) होड़ - .... २) कलेजा - ....

२) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।

१) दुरुपयोग × २) बचपन ×

A4) स्वमत :- २

'अनुशासन जीवन का एक अंग है।' वाक्य पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

संपत्ति के स्वामित्व में शरीर श्रम करने वालों का स्थान क्या है? जो प्रत्यक्ष शरीर श्रम के काम करते हैं उन्हें तो गरीबी या कष्ट में ही अपना जीवन बिताना पड़ता है और उन्हीं के द्वारा उत्पादित संपत्ति दूसरे थोडे. से हाथों में ही इकट्ठी होती रहती है। श्रमजीवियों की बनाई हुई चीजें व्यापारियों या दूसरों के हाथों में जाकर उनके लेन-देन से कुछ लोग मालदार बन जाते हैं। वर्ष भर मेहनत कर किसान अन्न पैदा करता है लेकिन बहुत दफा तो उसकी खुद की आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं होती होतीं पर वही अनाज व्यापारियों के पास जाकर उनको धनवान बनाता है। संपत्ति बनाते हैं मजदूर और धन इकट्ठा होता है उसके पास जो केवल व्यवस्था करते हैं, मजदूरी नहीं करते।

जीवन निर्वाह या धन कमाने के लिए अनेक व्यवसाय चल रहे हैं। इनके मोटे तौर पर दो बर्ग किए जा सकते हैं। कुछ व्यवसाय ऐसे हैं, जिनमें शरीर श्रम आवश्यक है और कुछ ऐसे हैं जो बुद्धि के बल पर चलाए जाते हैं। पहले प्रकार के व्यवसाय को हम श्रमजीवियों के व्यवसाय कहें और दूसरों को बुद्धिजीवियों के। राज-काज चलाने वाले मंत्री आदि तथा राज के कर्मचारी ऊँचे-ऊँचे पद से लेकर नीचे के क्लर्क तक, न्यायाधीश वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी आदि ऐसे हैं जो अपना भरण-पोषण बौद्धिक काम से करते हैं। शरीर श्रम से अपना निर्वाह करने वाले हैं - किसान, मजदूर, बढ़ई, राज, लुहार आदि। समाज के व्यवहार के लिए इन बुद्धिजीवियों और श्रमजीवियों, दोनों प्रकार के लोगों की जरुरत है पर सामाजिक दृष्टि से इन दोनों के मूल्यों में बहुत फर्क है।

बुद्धिजीवियों का जीवन श्रमजीवियों पर आधारित है। ऐसा होते हुए भी दुर्भाग्य यह है कि श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी कम है, समाज में उनकी प्रतिष्ठा नहीं और उनको अपना जीवन प्राय: कष्ट में ही बिताना पड़ता है।

व्यापारी और उद्योगपतियों के लिए अर्थशास्त्र ने यह नियम बताया है कि खरीद सस्ती-से-सस्ती हो और बिक्री महँगी-से-महँगी की कोई मर्यादा नहीं। जो कारखाना मजदूरों के शरीर श्रम के बिना चल ही नहीं सकता, उसके मजदूर को हजार-पाँच सौ मासिक से अधिक भले ही न मिले, पर व्यवस्थापकों और पूँजी लगाने वालों को हजारों-लाखों का मिलना गलत नहीं माना जाता। मनुष्य समाज में रहने से अर्थात समाज की कृपा से ही व्यवहार चलाने लायक बनता है।

A1) स्पष्ट कीजिए। २

व्यापारी और उद्योगपतियों के लिए अर्थशास्त्र

१) .... २) ....

A2) ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित

B KUMAR'S ACADEMY

शब्दों हो। २

१) मजदूरी २) कारखाना

३) समाज ४) धनवान

A3) वचन बदलकर लिखिए। २

१) बुद्धिजीवियों - ....

२) नियम - ....

लिंग बदलकर लिखिए ।

१) अध्यापक -.......... २) लुहार - ....

A4) स्वमत :- २

'वर्तमान काल में शारीरिक श्रम के बजाय बौद्धिक श्रम को अधिक महत्त्व देते है,' अपने विचार २५ से ३० शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ४

हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। यह हमारी अस्मिता की पहचान है। हिंदी हमारे विचारों के आदान-प्रदान का सरल माध्यम है। हम यह झूठा वहम पाले हुए है कि बिना अंग्रेजी सीखे हम हीन समझे जाएँगे। सभी देश अपनी भाषा का प्रयोग कर गौरव का अनुभव करते हैं। अंग्रेजी को ज्ञान - विज्ञान का वातायन कहना भी निरी मूर्खाता है। रुस, जापान, चीन, फ्रांस आदि देश अपनी-अपनी भाषा का प्रयोग कर आगे बढ़े हैं। अंग्रेजी का प्रयोग करनेवालों से वे कम नहीं है। अब हिंदी भाषा में प्रत्येक विषय पर अच्छी पुस्तकें उपलब्ध हैं। अब तो बस पक्के इरादे की आवश्यकता है। हमें हिंदी के प्रयोग का भाव रखना चाहिए। इसी से हमारी एकता मजबूत होगी और राष्ट्र का विकास होगा।

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

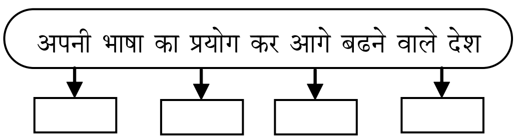

A2) स्वमत :- २

'राष्ट्रभाषा हिंदी' पर ८ से १० वाक्यों में अपने विचार लिखिए।

विभाग २ - पदय १२ अंक

प्र.२:अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ६

वे खड़े होकर कुछ सोचने लगे
फिर शयन कक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रुई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्त्व खाली...
कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा सब में मिला शून्य-ब्रह्मांड
देखकर मेरे घर में ऐसा अरण्यकांड
उनका खिला हुआ चेहरा मुरझा गया
और उनके बीस सूची हृदय में
रौद्र की जगह करुण रस समा गया,

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

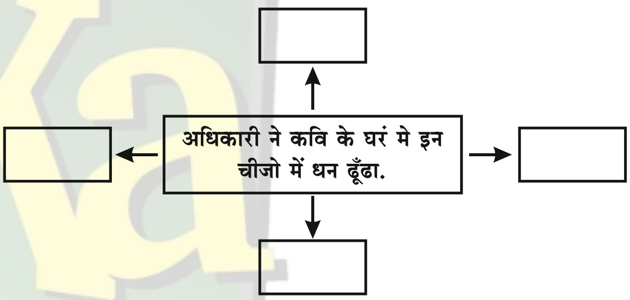

A2) पद्यांश में आए इन शब्दों के लिए प्रयुक्त शब्द है। २

१) खिलना × २) रौद्र ×

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए।

१) शयन - २) करुणा -

A3) भावार्थ लिखिए। २

कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा,
सब में मिला शून्य-ब्रह्मांड।
देखकर मेरे घर में ऐसा अरण्यकांड,

B KUMAR'S ACADEMY

उनका खिला हुआ चेहरा मुरझा गया।
और उनके बीस सूची हृदय में,
रौद्र की जगह करुण रस समा गया।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ६

हरि बिन कूण गती मेरी।।
तुम मेरे प्रतिपाल कहिये मैं रावरी चेरी।।
आदि-अंत निज नाँव तेरो हीमायें फेरी।
बेर-बेर पुकार कहूँ प्रभु आरति है तेरी।।
यौ संसार विकार सागर बीच में घेरी।
नाव फाटी प्रभु पाल बाँधो बुड़त है बेरी।।
बिरहणि पिवकी बाट जौवे राखल्यो नेरी।
दासी मीरा राम रटत है मैं सरण हूँ तेरी।।

A1) आकृति पूर्ण कीजिए। २

१) घिरी हुई है। → ये- ______ ; यहाँ- ______

२) नाम रटती रहती है। → ये- ______ ; इनका- ______

A2) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। २

१) कूण - ...... २) रावरी - ....
३) बेरी - .... ४) नेरी- ....

A3) पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियो का सरल अर्थ २५ ते ३० शब्दों में लिखिए। २

विभाग ३ - पूरक पठन ८ अंक

प्र.३: अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ४

खेती-बारी के समय, गाँव के किसान सिरचन की गिनती नहीं करते। लोग उसको बेकार ही नहीं, 'बेगार' समझते हैं। इसलिए खेत-खलिहान की मजदूरी के लिए कोई नहीं बुलाने जाता है सिरचन को। क्या होगा, उसको बुलाकर? दूसरे मजदूर खेत पहुँचकर एक-तिहाई काम कर चुकेंगे, तब कहीं सिरचन राय हाथ में खुरपी डुलता हुआ दिखाई पड़ेगा; पगडंडी पर तौल-तौलकर पाँव रखता हुआ, धीरे-धीरे । मुफ्त में मजदूरी देनी हो तो और बात है।

आज सिरचन को मुफ्तखोर, कामचोर या चटोर कह ले कोई। एक समय था, जब उसकी मड़ैया के पास बाबू लोगों की सवारियाँ बँधी रहती थीं। उसे लोग पूछते ही नहीं थे, उसकी खुशामद भी करते थे। "अरे, सिरचन भाई ! अब तो तुम्हारे ही हाथ में यह कारीगरी रह गई है सारे इलाके में। एक दिन का समय निकालकर चलो। बड़े भैया की चिट्ठी आई है शहर से- सिरचन से एक जोड़ा चिक बनाकर भेज दो।"

मुझे याद है.. मेरी माँ जब कभी सिरचन को बुलाने के लिए कहती, मैं पहले ही पूछ लेता, "भोग क्या-क्या लगेगा?"

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

सिरचन को लोग समझते हैं। → ______ ; ______ ; ______ ; ______

A2) स्वमत :- २

'मजदूर की व्यथा' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ४

घना अँधेरा
चमकता प्रकाश
और अधिक ।

करते जाओ
पाने की मत सोचो
जीवन सारा।

जीवन नैया
मँझधार में डोले,
सँभाले कौन?

रंग-बिरंगे
रंग-संग लेकर
आया फागुन ।

काँटों के बीच
खिलखिलाता फूल
देता प्रेरणा ।

B.KUMAR'S ACADEMY

A1) कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

१)

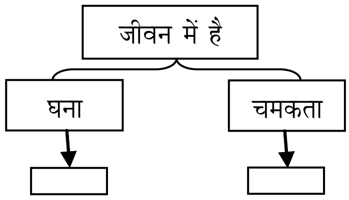

२)

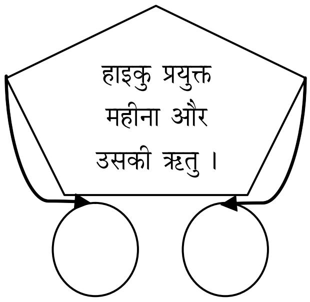

A2) स्वमत :- २

"कर्म ही पूजा है" इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन

प्र.४:अ) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। १४

१) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए। १

वह आज <u>विद्यालय</u> नहीं जाएगा।

२) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए १

क) अच्छा ख) के पास

३) तालिका पूर्ण कीजिए। (कोई एक) १

शब्दसंधि		नाम (भेद)
१) निराहार	………	………
२) ………	रत्न+आकर	………

४) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए। (कोई एक) १

१) इसके बाद हम लोग दिन भर पणजी शहर देखते रहे ।

२) फाटक से पहले ही गाड़ी रोक दी।

५) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारुप लिखिए। (कोई एक) १

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
१) चलना	………	………
२) लगना	………	………

६) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए। १

पुलिस को देखकर चोर <u>बहुत डर गया</u>।

(झेंप जाना, थर-थर काँपना, चैन न मिलना, अपेक्षा करना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

१) परच जाना -

२) हाथ पैर मारना -

७) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। १

१) उन्हें आमंत्रित करने के लिए पत्र लिखा था ।

२) अपनी कक्षा में कहानी सुना रहा था।

८) वाक्य में यथास्थान विरामचिन्हों का प्रयोग कीजिए । १

१) मौसम से क्या लेना मुझको वह आएगा जाएगा

२) चिड़ियाँ दिखती है लेकिन पेड़ों पर बैठी नहीं

९) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (कोई दो) २

१) वह लगातार रो रहा था। (पूर्ण वर्तमानकाल)

२) वह हिमालय को खोज रहा है ।(पूर्ण वर्तमानकाल)

३) मछली पानी में तैर रही थी। (सामान्य भविष्यकाल)

१०) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए। १

१) वापस घर आकर फाटक से पहले गाड़ी रोक दी।

ब)१) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। १

कितनी निर्दयी हूँ मैं। (विस्मयार्थक वाक्य)

२) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए। २

१) मौसम तो आती-जाती रहेगी।

२) हमने माता का दर्शन किया।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : २६ अंक

प्र. ५ अ १) पत्र लेखन - ५

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए।

रूपा सिं ह,९/२०, दादर, मुंबई से अपने मित्र/सहेली रुपेश कुमार ए/३०, तिलकामांझी, भागलपुर को उसके परीक्षा में पास होने पर बधाई पत्र लिखती है ।

और

B.KUMAR'S ACADEMY

पेड़ रक्षण समिति के अध्यक्ष होने के नाते 'पेड लगाओ, पेड़ बचाओ' योजना के अन्तर्गत लेख प्रकाशित करने हेतु, संपादक नवभारत टाइम्स, मुंबई को पत्र लिखिए।

२) **गद्य आकलन -** ४

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हो।

बातचीत में निपुण होने के लिए सबसे पहला उपाय यह है कि सामान्य ज्ञान बढाइए, अपना शब्दज्ञान बढाज्ञान बढाइए तथा अधिकांश लोगों के बीच ही रहिए । एकांतप्रिय व्यक्ति कभी भी इस कला का को नही सीख सकता । एक अन्य गुण जो कि इस कला के लिए अनिवार्य है, वहे यह है कि आप अपने में सहनशक्ति उत्पन्न करे। दूसरों की बातों की यदि आप रूचिपूर्वक नहीं सुनेंगे तो आपकी बात कौन सुनेगा । और सबसे बड़ी खूबी यह पैदा कीजिए कि अपने सामनेवाले को कभी काटिए मत, उसकी किसी भावना को जान-बूझकर ठेस पहुँचाने की कोशिश मत करें। यदि उसकी किसी बात का प्रतिवाद करना बातचीत के लिए जरुरी भी हो जाए तो पहले उससे सहमत हो जाएँ और फिर अपना मत कुछ इस ढंग से प्रस्तुत करें कि वह असहमत होते हुए भी सहमत होने को तयार हो जाए । अत: यह बात गाँठ बाँध ले कि आपका चाहे जो भी क्षेत्र हो : उसमें सफल होने के लिए आपको बातचीत की कला सीखनी ही होगी ।

आ) १) **वृत्तांत लेखन -** ५

विद्यालय में आयोजित 'शिक्षक दिन' पर वृत्तांत तैयार कीजिए ।
(०५ सितंबर २०२४ संस्कार विद्यालय, पूणे - ४११००२)

अथवा

कहानी लेखन -

निम्नलिखित मुद्दों के आधार लगभग ७० से ८० शब्दों में कहानी लिखिए, और उचित शीर्षक दीजिए।

एक कौआ और एक हंस - दोनों का आकाश में उड़ना - सड़क के एक ग्वाले क द्विपात्र लेकर गुजरते हुए देखना - कौए का पात्र पर चुपचाप बैठकर दही खाने का आग्रह - हंस का इनकार - कौए का घसीटकर ले जाना - कौए का चोंच - नचाकर दही का स्वाद लेना - हंस का बैठे रहना - कौए का आहट पाकर उड़ जाना - हंस का पकड़ा जाना-परिणाम ।

२) **विज्ञापन लेखन -** ५

आदर्श विज्ञापन तैयार कीजिए ।

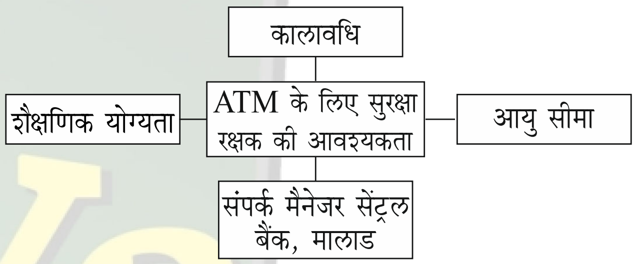

इ) **निबंध लेखन -** ७

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए।

१) मेरा प्रिय खिलाड़ी
२) मेरा प्रिय नेता
३) अस्पताल में एक घंटा

***

B.KUMAR'S ACADEMY

A-1, Ground Floor, Green Park Building Shastri Nagar, near Indian Overseas Bank, Vasai West, Vasai-Virar, Maharashtra 401202 +91 9619619937, 0250-2334511

विषय : हिंदी | कुल अंक : 80

कक्षा : 10 (S.B.) **PRELIM QUESTION PAPER - 03** समय : 3 घंटे

खंड - 'अ' (वस्तुपूरक प्रश्न २० अंक)

प्र.१: निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

गुलामी की प्रथा संसार भर में हजारों वर्षो तक चलती रही। उस लंबे अरसे में विद्वान तत्ववेता और साधु-संतों के रहते हुए भी वह चलती रही। गुलाम लोग खुद भी मानते थे कि वह प्रथा उनके हित में है फिर मनुष्य का विवेक जागृत हुआ। अपने जैसे ही हाड़-माँस और दुख की भावना रखने वालों को एक दूसरा बलवान मनुष्य गुलामी में जकड़ रखे, क्या यह बात न्यायोचित है, यह प्रश्न सामने आया। इसको हल करने के लिए आपस में युद्ध भी हुए। अंत में गुलामी की प्रथा मिटकर रही। इसी प्रकार राजाओं की संस्था की बात है। जगत भर में हजारों वर्षो तक व्यक्तियों का, बादशाहों का राज्य चला पर अंत में 'क्या किसी एक व्यक्ति को हजारों आदमियों को अपनी हुकूमत में रखने का अधिकार है,' यह प्रश्न खड़ा हुआ। उसे हल करने के लिए अनेक घनघोर युद्ध हुए और सदियों तक कहीं - न - कहीं झगड़ा चलाता रहा। असंख्य लोगों को यातनाएँ सहन करनी पड़ी। अंत मे राजप्रथा मिटकर रही और राजसत्ता प्रजा के हाथ में आई। हजारों वर्षो तक चलती हुई मान्यताएँ छोड़ देनी पड़ी । ऐसी ही कुछ बातें संपत्ति के स्वामित्व के बारे में भी हैं।

संपत्ति के स्वामित्व और उसके अधिकार की बात जानने के लिय यह समझना जरुरी है कि संपत्ति किसे कहते हैं और वह बनती कैसे है?

आम तौर से माना जाता है कि रुपया, नोट या सोना-चाँदी का सिक्का ही संपत्ति है, लेकिन यह ख्याल गलत है क्योंकि ये तो संपत्ति के माप-तौल के साधन मात्र हैं। संपत्ति तो वे ही चीजे हो सकती हैं जो किसी-न-किसी रुप में मनुष्य के उपयोग में आती हैं। उनमें से कुछ ऐसी जिनके बिना मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता एवं कुछ, सुख-सुविधा और आराम के लिए होती हैं। अन्न, वस्त्र और मकान मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकताएँ हैं। जिनके बिना उसकी गुजर-बसर नहीं हो सकती। इनके अलावा दूसरी अनेक चीजे हैं जिनके बिना मनुष्य रह सकता है।

प्रश्न उठता है कि संपत्तिरुपी ये सब चीजे बनती कैसे हैं? सृष्टि में जो नानाविध द्रव्य तथा प्राकृतिक साधन हैं, उनको लेकर मनुष्य शरीर श्रम करता है, तब यह काम की चीजे बनती हैं। अत: संपत्ति के मुख्य साधन दो हैं: सृष्टि के द्रव्य और मनुष्य का शरीर श्रम। यंत्र से कुछ चीजें बनती दिखती हैं पर वे यंत्र भी शरीर श्रम से बनते हैं और उनको चलाने में भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष शरीर श्रम की आवश्यकता होती है। केवल बौद्धिक श्रम से कोई उपयोग की चीज नहीं बन सकती अर्थात बिना शरीर श्रम के संपत्ति का निर्माण नहीं हो सकता।

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

१) [ ] ← दो प्रथाएँ जो समाप्त हो गई → [ ]

२) [ ] ← गुलामी प्रथा को खत्म करने के लिए यह हुआ → [ ]

A2) उत्तर लिखिए। २

गद्यांश में उल्लेखित ख्याल	ख्याल गलत होने के कारण
....	....

A3) २

१) वचन परिवर्तन कीजिए ।

चीज़े बनती दिखती हैं।

२) परिच्छेद में आए शब्द युग्म लिखिए।

१) .... २) ....

A4) स्वमत :- २

'शारीरिक श्रम का महत्त्व' विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

रामस्वरुप : (दरवाजे से बाहर झाँककर) अरे प्रेमा, वे आ भी गए। ...... तुम उमा को समझा देना, थोड-सा गा देगी।

रामस्वरुप : हँ-हँ-हँ। आइए, आइए! (बाबू गोपाल प्रसाद बैठते है) हँ हँ! .... मकान ढूँढ़ने में कुछ तकलीफ तो नहीं हुई?

गो.प्रसाद : (खँखारकर) नहीं। ताँगेवाला जानता था। रास्ता मिलता कैसे नहीं?

रामस्वरुप : हँ-हँ-हँ! (लड़के की तरफ मुखातिब होकर) और कहिए शंकर बाबू, कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?

शंकर : जी, यही कोई साल-दो साल।।

रामस्वरुप : साल, दो साल?

शंकर : हँ-हँ-हँ! .... जी एकाथ साल का 'मार्जिन' रखता हूँ।

गो.प्रसाद : (अपनी आवाज और तरीका बदलते हुए) अच्छा तो साहब, फिर 'बिजनेस, की बातचीत हो जाए।

रामस्वरुप : (चौंककर) बिजनेस? - (समझकर) ओह!... अच्छा, अच्छा। लेकिन जरा नाश्ता तो कर लीजिए।

गो.प्रसाद : यह सब आप क्या तकल्लुफ करते हैं!

रामस्वरुप : हँ-हँ-हँ! तकल्लुफ किस बात का। यह तो मेरी बड़ी तकदीर है कि आप मेरे यहाँ तशरीफ लाए। (अंदर जाते हैं।)

गो. प्रसाद : (अपने लड़के से) क्यों, क्या हुआ?

शंकर : कुछ नहीं।

गो.प्रसाद : झुककर क्यों बैठते हो? ब्याह तय करने आए हो, कमर सीधी करके बैठो। तुम्हारे दोस्त ठीक कहते है कि शंकर की 'बैकबोन' - (इतने में बाबू राम स्वरुप चाय की ' ट्रे' लाकर मेज पर रख देते हैं।

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

१) रामस्वरुप ने अंदर जाते हुए कहा।

◇ ◇

२) गोपाल प्रसाद ने डांटते हुए अपने बेटे से कहा।

....

A2) निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए। २

१) गोपालप्रसाद को मकान ढूँढ़ने में तकलीफ हुई।

२) कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं है।

३) ताँगेवाला रास्ता नहीं जानता था।

४) कमर सीधी करके बैठो।

A3) अ) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए। २

१) दोस्त × २) खत्म ×

ब) समानार्थी शब्द लिखिए।

१) रास्ता - ---- २) तकलीफ - -----

A4) स्वमत :- २

'महिलाएँ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही है'' इस विषय पर ८ से १० पंक्तियों में अपने विचार लिखिए?

इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ४

B KUMAR'S ACADEMY

भारत के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ है। लखनऊ उस क्षेत्र में स्थित है जिसे ऐतिहासिक रुप से अवध क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। यह हमेशा से बहु सांस्कृतिक शहर रहा है। नजाकत और तहज़ीब वाली यह नगरी दशहरी आम के बाग, लज़ीज व्यंजन तथा चिकन की कढ़ाई के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यह हिंदी और ऊर्दू साहित्य के केंद्रो में से एक है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी लखनऊ को विशिष्ट स्थान प्राप्त है। इन नगरी में छोटा इमाम बाड़ा, बड़ा इमामबाड़ा रेजीडेंसी, शहीद स्मारक जैसे प्रमुख दर्शनीय स्थल है।

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

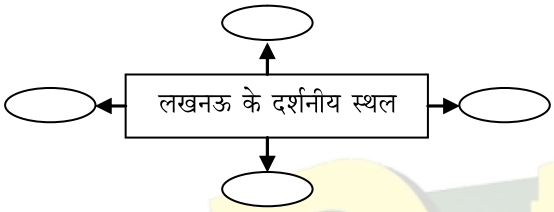

A2) स्वमत :- २

'ताजमहल' के विषय में पाँच - छह वाक्य लिखिए।

विभाग २ - पदय १२ अंक

प्र.२:अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ६

वे खड़े होकर कुछ सोचने लगे
फिर शयन कक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रुई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्त्व खाली...
कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा सब में मिला शून्य-ब्रह्मांड
देखकर मेरे घर में ऐसा अरण्यकांड
उनका खिला हुआ चेहरा मुरझा गया
और उनके बीस सूची हृदय में
रौद्र की जगह करुण रस समा गया

A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

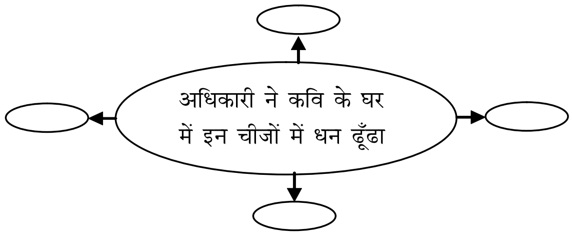

A2) पद्यांश में आए एक दूसरे के विरोधी दो शब्द लिखिए। २

१) खिलना × ----- २) रौद्र × ------

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए:

१) शयन - ------ २) करुणा - -------

A3) भावार्थ लिखिए। २

वे खड़े होकर कुछ सोचने
लगे फिर शयन कक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रुई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला
रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्व खाली .....

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ६

वे हैं सुख साधन से पूरित
सुघर घरों वे वासी,
इनके टूटे - फूटे घर में छाई सदा उदासी।
पहले हमें उदर की चिंता थी न कदापि सताती,
माता सम थी प्रकृति हमारी पालन करती जाती।।
हमको भाई का करना उपकार नहीं क्या होगा,
भाई पर भाई का कुछ अधिकार नहीं क्या होगा।

A1) उत्तर लिखिए। २

१) उदासी छाई यहां - ------------

B.KUMAR'S ACADEMY

२) उदासी छाई कब - ------------

३) कंपित बदन इनके हैं। - ------------

४) गरीबों के घरों में सदैव ये भाव रहते हैं।----

A2) पद्यांश में वर्णित विरोधी युग्म शब्द लिखिए। २

१) .... २) ....

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ परिच्छेद से पहचानकर लिखिए।

१) उदर -......... २) उदासी - ....

A3) उपरोक्त पद्यांश में से अंतिम की तीन पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। २

(हमको भाई का .... अधिकार नहीं क्या होगा।)

विभाग ३ - पूरक पठन ८ अंक

प्र.३: अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ४

स्टेशन पर सामान मिलाते समय देखा, मानू बड़े जतन से अधूरी चिक को मोड़कर लिए जा रही है अपने साथ। मन-ही-मन सिरचन पर गुस्सा हो आया। चाची के सुर-में-सुर मिलाकर कोसने को जी हुआ-कामचोर, चटोर!'

गाड़ी आई। सामान चढ़ाकर मैं दरवाजा बंद कर रहा था कि प्लेटफार्म पर दौड़ते हुए सिरचन पर नजर पड़ी- ''बबुआ जी!'' उसने दरवाजे के पास आकर पुकारा।

''क्या है?'' मैंने खिड़की से गरदन निकालकर झिड़की के स्वर में कहा। सिरचन ने पीठ पर लदे हुए बोझ को उतारकर मेरी ओर देखा- ''दौड़ता आया हूँ!... दरवाजा खोलिए! मानू दीदी कहाँ हैं? एक बार देखूँ।''

मैंने दरवाजा खोल दिया।

''सिरचन दादा!'' मानू इतना ही बोल सकी।

खिड़की के पास खड़े होकर सिरचन ने हकलाते हुए कहा, ''यह मेरी ओर से है। सब चीज है दीदी! शीतलपाटी, चिक और एक जोड़ी आसनी, कुश की।''गाड़ी चल पड़ी।

मानू मोहर छापवाली धोती का दाम निकालकर देने लगी। सिरचन ने जीभ को दाँत से काटकर, दोनों हाथ जोड़ दिए।

मानू फूट-फूटकर रो रही थी। मैं बंडल को खोलकर देखने लगा-ऐसी कारीगरी, ऐसी बारीकी, रंगीन सुतलियों के फंदों का ऐसा काम, पहली बार देख रहा था।

B.KUMAR'S ACADEMY

A1) लिंग पहचानकर लिखिए। २

१) दरवाजा - ------ २) खिड़की - -------

२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए।

१) दरवाजा - ------ २) गाड़ी - -------

A2) स्वमत :- २

''अगर आप सिरचन की जगह होते तो आप क्या करते''

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । (६)

1) २

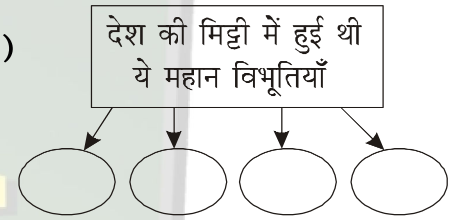

2) विशेषताएं लिखिए । २

१) प्रल्हाद - ....

२) जयमल - पत्ता -..............................

हम उस धरती के लड़के हैं,
जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या
कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी
में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ,
जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर,
थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे,
थे नहीं किसी को कुछ गिनते!

इस कारण हम तुमसे बढ़कर,
हम सबके आगे चुप रहिए।

> अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए।
> हम उस धरती के लडके हैं ...

२. स्त्री-पुरुष समानता के बारे में अपने विचार ६-८ वाक्य में लिखिए । २

विभाग ४ - भाषा अध्ययन १४ अंक

प्र.४:अ) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए। १

djeuuer kea <u>हत्या</u> बहू से हो गई।

२) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। १

क) अच्छा - ख) प्राय:

३) तालिका पूर्ण कीजिए। (कोई एक) १

शब्दसंधि	नाम	(भेद)
१) यद्यपि	....	....
२)	दु:+लभ	....

४) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए। (कोई एक) १

१) उन्होंने मेरा चयन कर लिया ।

२) 'देशी और विलायती' संग्रह फिर पढ़ना चाहूँगा।

५) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारुप लिखिए। (कोई एक) १

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
१) माँगना	....	....
२) देना	....	....

६) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए। १

सिरचन को बुलाओ, <u>चापलूसी करता हुआ</u> हाज़िर हो जाएगा।

(बोलबाला होना, दुम हिलाना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

१) माथे पर बल पड़ना -

२) कमर कसना -

७) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। १

१) शरीर को कुछ समय के लिए विश्राम मिल जाता है ।

२) डाली ने फूल को गोद में खिलाया।

८) वाक्य में यथास्थान विरामचिन्हों का प्रयोग कीजिए। १

१) उससे उन्होंने पूछा तुम लॉग बुक रखते हो न

२) राइटिंग पैड का क्या करोगी

९) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (कोई दो) २

१) काँटों ने फूल की जान बचाई । (सामान्य भविष्यकाल)

२) मैंने कई खेलों में हिस्सा लिया ।(अपूर्ण वर्तमानकाल)

३) फूल अपनी गंध नहीं बेचेगा। (सामान्य वर्तमानकाल)

१०) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए। १

वह बूढ़ी काकी पर झपटी और उन्हें दोनों हाथों से झटककर बोली।

ब)१) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। १

मुझे तो कुछ याद नहीं पड़ता । (सरल वाक्य)

२) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए : २

१) शाहनी दीन - रात दर्द से कराहती रहती थी।

२) अब मैं अपनी टाँगों का ओर देखता हैं।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन २६ अंक

प्र.५ (अ) पत्रलेखन - ५

निम्नलिखित जानकरी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए।

अमेय/अमेया त्रिवेदी, ९, मयूर कॉलोनी, नाशिक से अपने मित्र/सहेली समीर/समीरा पाटील ३/३७ आनंद नगर, संगमनेर को उसके जन्मदिन के कार्यक्रम में शामिल न होने का कारण बताते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

शिवाजी विद्यालय, रत्नागिरी, विद्यार्थी प्रतिनिधि के नाते 'स्वच्छ गाँव, सुन्दर गाँव' योजना के अन्तर्गत लेख प्रकाशित करने हेतू, संपादक 'जागृति' रत्नागिरी को पत्र लिखिए।

२) गद्य आकलन - ४

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों।

शिक्षा मानव के विकास का ....
........मूल्य प्राप्त नहीं कर पाता ।

B KUMAR'S ACADEMY

(आ) १) वृत्तांत लेखन - ५

आपके क्षेत्र में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इसका वृत्तांत लिखिए। (वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख करना अनिवार्य है ।)

अथवा

कहानी लेखन -

निम्नलिखित मुद्दो के आधार पर लगभग ७० ते ८० शब्दों में कहानी लिखिए और उचित शीर्षक दीजिए।

एक शरारती लड़का - पढ़ाई की ओर ध्यान नहीं - माता - पिता, गुरुजनों का समझाना - कोई असर नहीं - परीक्षा में अनुत्तीर्ण - माता - पिता का फटकारना - घर छोड़ना - निराश होकर पहाड़ी मंदिर में पहुँचना - दीवार पर एक चींटी को दाना पकड़कर चढ़ते हुए देखना कई बार गिरकर चढ़ना, चढ़कर गिरना - हिम्मत न हारना - आखिर चढने में सफल - प्रेरणा पाना - उत्साह बढना - घर आकर पढाई में जुट जाना - आगे चलकर बडा विद्वान बनना - सीख

(२) विज्ञापन लेखन - ५

आदर्श विज्ञापन तैयार कीजिए ।

कंपनी का नाम

सिर दर्द नाशक

दिमागे रोशन तेल

विशेषता

कीमत

(इ) निबंध लेखन - ७

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए।

(१) 'हिंदी भाषा का महत्व'

(२) मनुष्य वही जो मनुष्य के लिए मरे (परोपकार)

(३) मेरा भारत महान

***

B.KUMAR'S ACADEMY

A-1, Ground Floor, Green Park Building Shastri Nagar, near Indian Overseas Bank,
Vasai West, Vasai-Virar, Maharashtra 401202 +91 9619619937, 0250-2334511

विषय : हिंदी | **कुल अंक : 80**
कक्षा : 10 (S.B.) **PRELIM QUESTION PAPER - 04** **समय : 3 घंटे**

विभाग - १ गद्य (२० अंक)

प्र.१ निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ८

इसलिए बिना शरीर श्रम किए उस सामग्री का उपायोग करने का न्यायोचित अधिकार हमं नहीं मिलता। अगर पैसे के बल पर हम सामग्री खरीदते हैं तो उस पैसे की जड़ भी अंत में श्रम ही है।

धनिक लोग अपनी ज्यादा संपत्ति का उपयोग समाज के हित में ट्रस्टी के तौर पर करें। संपत्ति दान यज्ञ और भूदान यज्ञ का भी आखिर आशय क्या है? अपने पास आवश्यकता से जो कुछ अधिक है उस पर हम अपना अधिकार बड़े - बड़े कार्य होते हैं जैसे कि अस्पताल, विद्यालय आदि । अगर व्यक्तियों के पास संपत्ति इकट्ठी न हो तो समाज को ये लाभ कैसे मिलेंगे?

वास्तव में-जब संपत्ति थोड़े से हाथों में बँधी न रहकर समाज में फैली रहेगी तो सहकार पध्दति से बड़े पैमाने पर ऐसे कम आसानी से चलने लगेंगे और उनका लाभ लेने वाले, याचक या दीन की तरह नहीं, सम्मानपूर्वाक लाभ उठाएँगे।

अर्थशास्त्री कहते हैं कि उत्पादन की प्रेरणा के लिए व्यक्ति का स्वार्थ के लिए अवसर देने होंने वरना देशमें उत्पादन और संपत्ति नहीं बढ़ सकेगी, बचत भी नहीं होगी। अनुभव बताता है कि पूँजी, गरीबी या बेकारी की समस्या हल नहीं कर सकी है। नैतिक दृष्टि से भी स्वार्थवृत्ति का पोषण करना योग्य नहीं है। बहुत करके स्वार्थ का अर्थ हाता है परार्थ की हानि । उसी में स्पर्धा बढ़ती है, जिसके फलस्वरूप कुछ थोड़े। से लोक ही लाभ उठा सकते हैं, बहुसंख्यकों को तो हानि ही पहुँचती है। मनवोचित सहयोग की जगह जंगल का कानून या मत्स्य न्याय चलता है। आखिर यह देखना है कि समाज का कल्याण किस वृत्ति से होगा? अगर समाज में स्वार्थ वृत्ति के लोग अधिक हों, तो क्या कल्याण की आशा रखी जा सकती है? समाज तो परोपकार वृत्ति के बल पर ही ऊँचा उठ सकता है। संपत्ति बढ़ाने के लिए स्वार्थ का आधार दोषपूर्ण है।

इस संबंध के कुछ भाई अमेरिका का उदाहरण पेश करते हैं। कहते हैं कि जिनके पास संपत्ति इकट्ठी हुई है, उनपर कर लगाकर कल्याणकारी राज्य की स्थापना की जाए। उसी आधार पर भारत को कल्याणकारी (वेल्फेयर) राज्य बनाने की बात चली है। कल्याणकारी राज्य का अर्थ यह समझा जाता है कि सब तरह के दुर्बलों को राज्यसत्ता द्वारा मदद मिले। अर्थात बड़े पैमाने पर कर वसूल करके उससे गरीबों सहारा दिया जाए । भारत जैसे देश में क्या इस बात का बन पाना संभव है? प्राथमिक आवश्यकताओं के बारे में मनुष्य अपने पैरों पर खड़े रहने लायक हुए बिना स्वतंत्र नहीं रह सकता, किसी न किसी प्रकार उसे पराधीन रहना होगा।

1 A1) उत्तर लिखिए : २

गद्यांश में उलेखित दो देशें के नाम ।

१)........... २) ....

A2) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए: २

i) मनोवोचित सहयोग की जगह से चलता है

ii) संपत्ति समाज में फैलने से लाभ

A3) अ) लिंग पहचानकर लिखिए। १

i) मज़दूरी- .... ii) भविष्य - ....

ब) विरूध्दार्थी शब्द लिखिए। १

i) दोषपूर्ण × .... ii) जंगल × ....

A4) स्वमत २

'कर जमा करना, देश के विकास को गति देना है' विषय पर अपने विचार लिखिए।म

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ८

प्रिय सरोज,

जिस आश्रम की कल्पना की है उसके बारे में कुछ ज्यादा लिखूँ तो बहन को सोचने में मदद होगी, आश्रम यानी होम (घर) उसकी व्यवस्था में या संचालन में किसी पुरुष का संबंध न हो। उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए। उसके लिए पैसे तो सहज मिलेंगे, लेकिन कहीं माँगने नहीं जाना है। जो महिला आएगी वह अपने खाने पीने की तथा कपडेलत्ते की व्यवस्था करके ही आए। वह यदि गरीब है तो उसकी सिफारिश करने वाले लोगों को खर्च की पक्की व्यवस्था करनी चाहिए। पूरी पहचान और परिचय के बिना किसी को दाखिल नहीं करना चाहिए। दाखिल हुई कोई भी महिला जब चाहे तब आश्रम छोड़ सकती है। आश्रम को ठीक न लगे तो एक या तीन महीने का नोटिस देकर किसी को आश्रम से हटा सकता है लेकिन ऐसा कदम सोचकर लेना होगा।

आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अतः सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा। आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए । सादगी का आग्रह होना चाहिए। आरंभ में पढ़ाई या उद्योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्योग सिखाए जाएँ। पढ़ाई भी आसान हो। आश्रम शिक्षासंस्था नहीं होगी लेकिन कलह और कुढ़न से मुक्त स्वतंत्र वातावरण जहाँ हो ऐसा मानवतापूर्ण आश्रयस्थान होगा, जहाँ परेशान महिलाएँ बेखटके अपने खर्च से रह सकें और अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें। ऐसा आसान आदर्श रखा हो और व्यवस्था पर समिति का झंझट न हो तो बहन सुंदर तरीके से चला सके ऐसो एक बड़ा काम होगा। उनके ऊपर ऐसा बोझ नहीं आएगा जिससे कि परेशानी हो ।

A1) प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए। २

आश्रम के नियम

A2) वाक्य को घटना क्रमानुसार लिखिए। २

i) पढ़ाई भी आसान हो।

ii) आश्रम का विज्ञापन अकबार में नहीं दियाजाए।

iii) आश्रम किसी धर्म से चिपका नहीं होगा।

iv) उसके लिए पैसे तो सहज मिलेंगे।

A3) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए। १

i) सदाचार × .... ii) सदुपयोगी × ....

अनुच्छेद में प्रयुक्त विशेषण शब्द लिखिए। १

i) व्यवस्था -....... ii) उपयोग -.......

A4) स्वमतः २

'जीवन में अनुशासन का होना अति आवश्यक है'।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ४

ध्वनि प्रदूषण सिर्फ बहरेपन को ही न्योता नहीं देता वरन बेचैनी एवं मानसिक तनाव भी पैदा करता है, जिससे निम्न या अधिक रक्तचाप की बीमारी हो सकती है। इससे व्यक्ति मानसिक तनाव, चिड़चिड़ाहट और झुंझलाहट की समस्या से ग्रस्त हो जाता है। रक्त में कोलेस्टेरोल की मात्रा बढ़ जाती है। स्नायु तंत्र पर शोर का प्रभाव हृदय, पाचन तंत्र के साथ अन्य तंत्रों पर भी पड़ता है। साथ ही वाहिनियों के संकुचन से हृदय रोग तथा अन्य बीमारियाँ शरीर में डेरा डाल लेती है। अधिक शोर के

B. KUMAR'S ACADEMY

कारण नेत्र गोलक पर केंद्रित नहीं हो पाता। शोर का प्रभाव परिस्थिति और सुननेवाले की मनोवृत्ति पर निर्भर है।

1 A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए । २

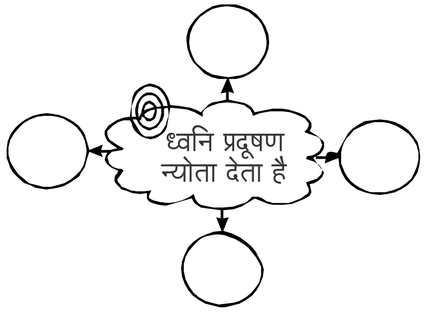

A2) स्वमत २

'प्रदूषण का मानव जीवन पर प्रभाव' अपने शब्दों में लिखिए।

विभाग २ - पद्य : १२ अंक

प्र. २ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ६

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो ।

चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो।

जिंदगी की शक्ल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो ।

आपको महसूस होगी तब हरइक दिल की जलन,
जब किसी धागे-सा जलकर मोम के भीतर दिखो।

एक जुगनू ने कहा में भी तुम्हारे साथ हूँ,
वक्त की इस धुंध में तुम रोशनी बनकर दिखो।

एक मर्यादा बनी है हम सभी के वास्ते,
गर तुम्हें बनना है मोती सीप के अंदर दिखो ।

डर जाए फूल बनने से कोई नाजुक कली,
तुम ना खिलते फूल पर तितली के टूटे पर दिखो।

कोई ऐसी शक्ल तो मुझको दिखो इस भीड़ में, मैं जिसे देखूँ उसी में तुम मुझे अक्सर दिखो ।

1 A1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए २

i) स्वर्णिम शिखर से भी सुंदर.........
ii) गर्द बनकर उड़े तो ....
iii) अगर बैठे गए तो..........
iv) जिंदगी की शक्ल टूटकर नहीं बिखरे ....

A2) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए : २

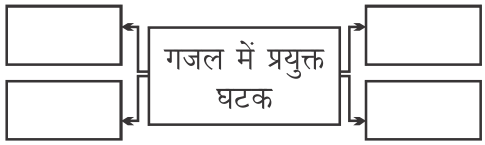

A3) स्वमत : २

आदमी को आदमी बनकर देखने से क्या तात्पर्य है?

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ६

फागुन के दिन चार होरी खेल मना रे ।
बिन करताल पखावज बाजे, अणहद की झनकार रे।
बिन सुर राग छतीसूँ गावै, रोम-रोम रणकार रे ।।
सील संतोख की केसर घोली, प्रेम-प्रीत पिचकार रे ।
उड़त गुलाल लाल भयो अंबर,बरसत रंग अपार रे ।।
घट के पट सब खोल दिए है,लोकलाज सब डार रे ।
'मीरा' के प्रभु गिरिधर नागर,चरण कँवल बलिहार रे ।।

1A1)कृति पूर्ण कीजिए : २

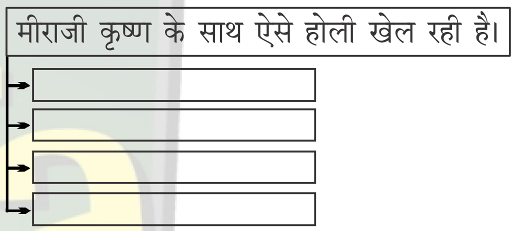

A2) समान लय तुकान्त वपाले शब्द लिखिए। २

i) चेरी - ...... ii) रणकार-.......
iii)अपार -....... iv) घेरी -.......

A3) स्वमत २

प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

विभाग ३ - पूरक पठन : ८ अंक

प्र ३ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ४

मानू कुछ नहीं बोली। चुपचाप अधूरी चिक को देखती रही ।... सातों तारे मंद पड़ गए। माँ बोली, 'जाने दे बेटी! जी छोटा मत कर मानू। मेले से खरीदकर भेज दूँगी ।' मैं सिरचन को मनाने गया। देखा, एक फटी हुई शीतलपाटी पर लेटकर वह कुछ सोच रहा है। मुझे देखते ही बोला, 'बबुआ जी ! अब नहीं।

B.KUMAR'S ACADEMY

कान पकड़ता हूँ, अब नहीं ।... मोहर छापवाली धोती लेकर क्या करूँगा । कौन पहनेगा ?... ससुरी खुद मरी, बेटे-बेटियों को ले गई अपने साथ । बबुआ जी, मेरी घरवाली जिंदा रहती तो मैं ऐसी दुर्दशा भोगता ? यह शीतलपाटी उसी की बुनी हुई है। इस शीतलपाटी को छूकर कहता हूँ, अब यह काम नहीं करूँगा ।... गाँव भर में तुम्हारी हवेली में मेरी कदर होती थी। अब क्या?' मैं चुपचाप वापस लौट आया। समझ गया, कलाकार के दिल में ठेस लगी है। वह नहीं आ सकता ।
बड़ी भाभी अधूरी चिक में रंगीन छींट का झालर लगाने लगी- 'यह भी बेजा नहीं दिखलाई पड़ता, क्यों मानू ?'
मानू कुछ नहीं बोली ।... बेचारी! किंतु मैं चुप नहीं रह सका 'चाची और मँझली भाभी की नजर न लग जाए इसमें भी !' मानू को ससुराल पहुँचाने में ही जा रहा था।

1 A1) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो। २

i) मेरी घरवाली जिंदा रहती तो मैं ऐसी......... भोगती?

ii) गाँव भर में तुम्हारी...............में मेरी कदर होती थी।

iii) ....के दिल में ठेस लगी है।

iv) एक फटी हुई................पर लेटकर वह कुछ सोच रहा है।

A2) स्वमत :- २

शब्द क्यों महत्वपूर्ण हैं?

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ४

हम उस धरती के लड़के है, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए: हाँ क्या कहिए ।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी,हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!
इस कारण हम तुमसे बढ़कर। हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लड़के हैं...

A2) उपर्युक्त पद्यांश से वीरत्व दर्शाने वाली दो पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए । २

A 3) स्वमत २

'शेखी बघारना बुरी आदत है' विषय पर २५ ते ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए ।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन :१४ अंक

प्र ४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

(१) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए। १

<u>गोवा</u> देख मैं तरंगायित हो उठा।

(२) निम्नलिखित अव्यय शब्दों मे से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए । १

i) अच्छा ii) भाँति -

(३) तालिका पूर्ण कीजिए। (कोई एक) १

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i) चरितार्थ	....	....
ii) निराकार	....	....

(४) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए । (कोई एक) १

i) सादे क्रोटन कों ही रहने दिया है।

ii) मुझे सफाई कर्मियों की बस्ती में जाना पड़ा।

(५) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए। (कोई एक) १

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) कूदना	....	....
ii) देखना	....	....

(६) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए । १

माँ को देखकर बच्चा अत्यंत प्रसन्न होगया। (फूला न सामना, एकटक देखना, भेंट होना, बहिष्कार करना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

१) दाद देना - २) गोद में खिलाना -

(७) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। १

१) शो के लिए उन्होंने शुभ कामना दी।

२) मेरे घर के सामने मंदिर है।

(८) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए। १

१) मैंने डॉक्टर साहब को उत्सवों संगोष्ठियों एवं सम्मेलनो में देखा था

२) मैंने कराहते हुए पूछा, में कहाँ हूँ

(९) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (कोई दो) २

i) मछली पानी में तैर रही थी। (सामान्य भविष्यकाल)

ii) मानू फूट फूटकर रो रही थी। (सामान्य भविष्यकाल)

iii) उनका हाथ जल गया (सामान्य वर्तमानकाल)

(१०) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए। १

दूसरों से बाहर से केवल झगड़ा हाथ लगता है।

ब) १) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए। १

वाक्य परिवर्तन करके लिखिए।

उन्होंने पूछने को कहा। (विधानार्थक वाक्य)

२) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए। २

i) सास अपना बेटी को भी ले आई है।

ii) मेहमान मंडली अभी बैठा हुआ था।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : २६ अंक

प्र.५.अ. पत्र-लेखन :

१. हर्षल शर्मा, न्यु विवेकानंद सोसायटी औरंगाबाद से स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम औरंगाबाद को मच्छरों के बढते प्रार्दुभाव की समस्या के संबंध में पत्र लिखता है। ५

अथवा

अनंतनगर का जीवन जोशी हाईस्कूल परिक्षा में प्रथम आने पर बधाई देते हुए अपने मित्र अक्षय को पत्र लिखता है।

२. गद्य आकलन (प्रश्ननिर्मिति) : ४

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हो।

भाग्य पर विश्वास करने वालों का दावा है ....

.... निष्क्रिय और अकर्मण्य बना देता है।

प्र.५.आ.१) वृत्तांत लेखन : ५

विद्यालय के प्रागंण में खेले गए खेल दिवस का वृत्तांत तैयार कीजिए।

(२० दिसबंर २०१८ आदर्श विद्यालय, प्रागंण, औरंगाबाद - ४३१००१

अथवा

कहानी लेखन - निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ७०-८० शब्दों में कहानी लिखिए।

बारहसिंगा का पानी पीने नदी पर जाना .... पानी में अपनी परछाई देखकर इतराना सुंदर सिंगो पर गर्व करना .... डेढ़े - मेढ़े पैरों को देख दुखी होना .... शिकारी का आना बारहसिंगे का भागना ...... झाड़ी में सींगो का फँसना .... परिणाम।

२) विज्ञापन लेखन : ५

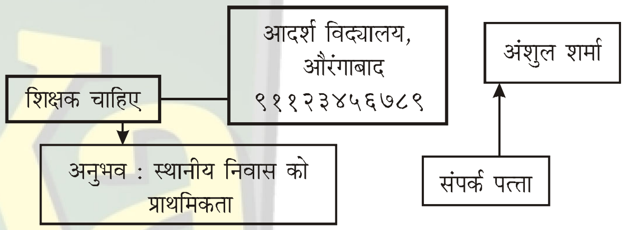

इ. निबंधलेखन:

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए । ७

१. बरगद की आत्मकथा

२. हिमालय : अद्‌भुत चमत्कार

३. मेरा प्रिय कवि

* * *

विषय : हिंदी
कक्षा : 10 (S.B.)

PRELIM QUESTION PAPER - 05

कुल अंक : 80
समय : 3 घंटे

विभाग - १ गद्य (२० अंक)

प्र.१ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

संपत्ति के स्वामित्व में शरीर श्रम करने वालों का स्थान क्या है? जो प्रत्यक्ष शरीर श्रम के काम करते हैं उन्हें तो गरीबी या कष्ट में ही अपना जीवन बिताना पड़ता है और उन्हीं के द्वारा उत्पादित संपत्ति दूसरे थोड़े से हाथों में ही इकट्ठी होती रहती है। श्रमजीवियों की बनाई हुई चीजें व्यापारियों या दूसरों के हाथों में जाकर उनके लेन-देन से कुछ लोग मालदार बन जाते हैं। वर्ष भर मेहनत कर किसान अन्न पैदा करता है लेकिन बहुत दफा तो उसकी खुद की आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं होती पर वही अनाज व्यापारियों के पास जाकर उनको धनवान बनाता है। संपत्ति बनाते हैं मजदूर और धन इकट्ठा होता है उसके पास जो केवल व्यवस्था करते हैं, मजदूरी नहीं करते ।

जीवन निर्वाह या धन कमाने के लिए अनेक व्यवसाय चल रहे हैं। इनके मोटे तौर पर दो वर्ग किए जा सकते हैं। कुछ व्यवसाय ऐसे हैं, जिनमें शरीर श्रम आवश्यक है ओर कुछ ऐसे हैं जो बुद्धि के बल पर चलाए जाते हैं। पहले प्रकार के व्यवसाय को हम श्रमजीवियों के व्यवसाय कहें और दूसरों को बुद्धिजीवियों के। राज-काज चलाने वाले मंत्री आदि तथा राज के कर्मचारी ऊँचे- ऊँचे पद से लेकर नीचे के क्लर्क तक, न्यायाधीश, वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी आदि ऐसे हैं जो अपना भरण-पोषण बौद्धिक काम से करते हैं। शरीर श्रम से अपना निर्वाह करने वाले हैं किसान, मजदूर, बढ़ई, राज, लुहार आदि। समाज के व्यवहार के लिए इन बुद्धिजीवियों और श्रमजीवियों, दोनों प्रकार के लोगों की जरूरत है पर सामाजिक दृष्टि से इन दोनों के मूल्यों में बहुत फर्क है।

बुद्धिजीवियों का जीवन श्रमजीवियों पर आधारित है। ऐसा होते हुए भी दुर्भाग्य यह है कि श्रमजीवियों की मजदूरी एवं आमदनी कम है, समाज में उनकी प्रतिष्ठा नहीं और उनको अपना जीवन प्रायः कष्ट में ही बिताना पड़ता है।

व्यापारी और उद्योगपतियों के लिए अर्थशास्त्र ने यह नियम बताया है कि खरीद सस्ती-से-सस्ती हो और बिक्री महँगी-से- महँगी। मुनाफे की कोई मर्यादा नहीं। जो कारखाना मजदूरों के शरीर श्रम के बिना चल ही नहीं सकता, उसके मजदूर को हजार- पाँच सो मासिक से अधिक भले ही न मिले, पर व्यवस्थापकों और पूँजी लगाने वालों को हजारों-लाखों का मिलना गलत नहीं माना जाता। मनुष्य समाज में रहने से अर्थात समाज की कृपा से ही व्यवहार चलाने लायक बनता है।

1 A1) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए। २

i) वर्षभर मेहनत कर अन्न पैदा करता है.....

ii) सामाजिक दृष्टि से इन दोनों के व्यवसाय के बहुत फर्क है-...

A2) किसान और व्यापारी मैं अंतर लिखिए। २

किसान	व्यापारी
१) पूरे साल मेहनत करना।	१) ....
२) .... -	२) मज़दूरी नहीं करते।
३) अन्न पैदा करता है।	३) ....
४)	४) किसान द्वारा अनाज उगाकर धनवान बनकर सारी अनावश्यक ज़रूरतें भी पूरी करते है।

A3) परिच्छेद में आए शब्द-युग्म ढूंढकर लिखिए। २

१) —————— २) ——————

विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।

i) दुर्भाग्य ×........ ii) दुर्भाग्य ×........

A4) स्वमतः २

श्रम ही पूजा है' इसपर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

प्र.१ (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ८

टाँग से ज्यादा फिक्र मुझे उन लोगों की हुई जो हमदर्दी जताने मुझसे मिलने आएँगे। ये मिलने-जुलने वाले कई बार इतने अधिक आते हैं और कभी-कभी इतना परेशान करते हैं कि मरीज का आराम हराम हो जाता है, जिसकी मरीज को खास जरूरत होती है। जनरल वार्ड का तो एक नियम होता हे कि आप मरीज को एक निश्चित समय पर आकर ही तकलीफ दे सकते हैं, किंतु प्राइवेट वार्ड, यह तो एक खुला निमंत्रण है कि 'हे मेरे परिचितों, रिश्तेदारों, मित्रों! आओ, जब जी चाहे आओ, चाहे जितनी देर रुको, समय का कोई बंधन नहीं। अपने सारे बदले निकालने का यही वक्त है। बदले का बदला ओर हमदर्दी की हमदर्दी । मिलने वालों का खयाल आते ही मुझे लगा मेरी दूसरी टाँग भी टूट गई।

मुझसे मिलने के लिए सबसे पहले वे लोग आए जिनकी टाँग या कुछ और टूटने पर में कभी उनसे मिलने गया था, मानो वे इसी दिन का इंतजार कर रहे थे कि कब मेरी टाँग टूटे और कब वे अपना एहसान चुकाएँ। इनकी हमदर्दी में ये बात खास छिपी रहती है कि देख बेटा, वक्त सब पर आता है।

दर्द के मारे एक तो मरीज को वैसे ही नींद नहीं आती, यदि थोड़ी बहुत आ भी जाए तो मिलने वाले जगा देते हैं- खास कर वे लोग जो सिर्फ ओपचारिकता निभाने आते हैं। इन्हें मरीज से हमदर्दी नहीं होती, ये सिर्फ सूरत दिखाने आते हैं। ऐसे में एक दिन मैंने तय किया कि आज कोई भी आए, मैं आँख नहीं खोलूँगा। चुपचाप पड़ा रहूँगा। ऑफिस के बड़े बाबू आए और मुझे सोया जानकर वापस जाने के बजाय वे सोचने लगे कि यदि मैंने उन्हें नहीं देखा तो कैसे पता चलेगा कौन मिलने आए थे। अतः उन्होंने मुझे धीरे-धीरे हिलाना शुरू किया। फिर भी जब आँखें नहीं खुली तो उन्होंने मेरी टाँग के टूटे हिस्से को जोर से दबाया। मैंने दर्द के मारे कुछ चीखते हुए जब आँख खोली तो वे मुस्कराते हुए बोले - 'कहिए अब दर्द कैसा है ?'

A 1)अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

a) मरीज को इसकी खास जरुरत ।

मरीज को इसकी खास जरूरत।

आराम

इनके कारण नहीं मिल पाता।

[ ] [ ]

b) लेखक से मिलने के लिए सबसे पहले वे आए

[ ] [ ]

A2) विशेषताएं लिखिए। २

i) परिचित लोग - ii) अपरिचित लोग -

A3) मुहावरे लिखिए। २

i) आँख -....... ii) टांग - ....

A4) स्वमत :- २

'मरीज के परिजनों की मनोदशा'

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ४

B.KUMAR'S ACADEMY

सन् १९४२ में गाँधी जी ने 'अंग्रजों' भारत छोड़ो' के साथ 'करो या मरो' का नारा दिया। कमला देवी इस आंदोलन में कूद पड़ीं। उन्हें २१ महीने तक नजरबंद रखने का आदेश पारित किया गया। जेल में वे बहुत बीमार के आधार पर उन्हें छोड़ दिया गया। सन् १९४४ की बात है । कमलादेवी को बंबई (मुंबई) में महिला परिषद की अध्यक्षता करनी थी किंतु बंबई सरकार ने उनके बंबई प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। कमला देवी भारत के राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन की गतिशील नेत्री थी। वे उस राष्ट्रवादी सोच को लेकर आगे चलती थी जिसे, तिलक, गोखले, गांधी की परंपरा ने विकसित किया था।

A3) कारण लिखिए। २

i) **कमलादेवी को जेल से छोड़ दिया गया।**

ii) **कमलादेवी महिला परिषद की अध्यक्षता न कर सकी।**

A 2) स्वमत २

'आजादी के लड़ाई में महिलाओं का योगदान' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

विभाग २ - पदयः १२ अंक

(अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ६

यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,
रो रही पीडित मनुजता, आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण-कण उसी के, नीड़ का निर्माण कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ ॥

1 A 1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए। २

i) कवि उसी के कण-कण जोड़कर नीड़ का निर्माण करना चाहता है।

[ ] [ ]

ii) कवि कृषक के लिए करना चाहते हैं

[ ] [ ]

A 2) समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूंढकर लिखिए। २

i) मशीन के समान - ii) मानव -

काल परिवर्तन कीजिए।

i) अली घर से बाहर चला जाता है। (सामान्य भूतकाल)

ii) आराम हराम हो जाता है। (सामान्य भविष्यकाल)

A 3) स्वमत २

निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

यंत्रवत जीवित बना है, माँगते अधिकार सारे,

रो रही पीडित मनुजता,
आज अपनी जीत हारे,
जोड़कर कण-कण उसी के,
नीड़ का निर्माण कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ ॥
यंत्रवत जीवित बना.......
का गान कर लूँ ॥

(आ) निम्नलिखित पठित पदयांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए। ६

किसी का हमने छीना नहीं,
प्रकृति का रहा पालना यहीं
हमारी जन्मभूमि थी यहीं,
कहीं से हम आए थे नहीं ।......
चरित थे पूत, भुजा में शक्ति,
नम्रता रही सदा संपन्न
हृदय के गौरव में था गर्व,
किसी को देख न सके विपन्न ।
हमारे संचय में था दान,
अतिथि थे सदा हमारे देव
वचन में सत्य, हृदय में तेज,
प्रतिज्ञा में रहती थी टेवा
वही है रक्त, वही है देश,
वहीं साहस है, वैसा ज्ञान
वही है शांति, वही हे शक्ति,
वही हम दिव्य आर्य संतान ।
जिए तो सदा इसी के लिए,
यही अभिमान रहे यह हर्ष निछावर कर दें हम
सर्वस्व हमारा प्यारा भारतवर्ष।

1 A 1) एक-एक शब्द में उत्तर लिखिए। २

i) प्रकृति का पालन किसे कहा गया है ?

ii) हमारे संचय का उद्देश्य क्या होना चाहिए ?

R KUMAR'S ACADEMY

iii) अतिथि हमारे लिए किसके समान रहे।

iv) हम भारत देश वासी किसकी संतानें हैं।

A 2) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए। २

i) धर्म × .... ii) दया × ....

समानार्थी शब्द अनुच्छेद से ढूँढकर लिखिए।

i) प्रकृति - .... ii) शक्ति -........

A 3) स्वमत :- २

उपरोक्त पद्यांश में से अंतिम की २ पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

विभाग ३ - पूरक पठन : ८ अंक

प्र ३ (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ४

रूपा उस समय कार्य भार से उद्विग्न हो रही थी। कभी इस कोठे में जाती, कभी उस कोठे में, कभी कड़ाह के पास आती, कभी भंडार में जाती। किसी ने बाहर से आकर कहा-'महाराज ठंडाई माँग रहे हैं। ठंडाई देने लगी। आदमी ने आकर पूछा-'अभी भोजन तैयार होने में कितना विलंब है? जरा ढोल-मंजीरा उतार दो।' बेचारी अकेली स्त्री दौड़ते-दौड़ते व्याकुल हो रही थी, झुंझलाती थी, कूढ़ती थी, परंतु क्रोध प्रकट करने का अवसर न पाती थी। भय होता, कहीं पड़ोसी ने यह न कहने लगे कि इतने में उबल पड़ीं। प्यास से स्वयं कंठ सूख रहा था। गर्मी के मारे फुंकी जाती थी परंतु इतना अवकाश भी नहीं था कि जरा पानी पी ले अथवा पंखा लेकर झले। यह भी खटका था कि जरा आँख हटी ओर चीजों की लूट मची।

1 A 1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए २

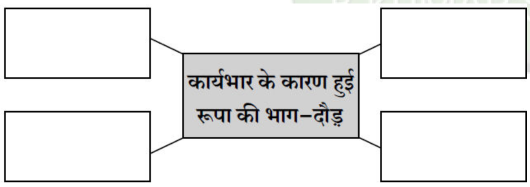

A 1) स्वगत :- २

'कर्तव्यनिष्ठा और कार्यपूर्ति' विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । ४

हम उस धरती के लड़के हैं,
जिस धरती की बातें,
क्या कहिए; अजी क्या कहिए: हाँ क्या कहिए ।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।
यह मिट्टी, हुए प्रल्हाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते, जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते !
इस कारण हम तुमसे बढ़कर। हम सबके आगे चुप रहिए। अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए।
हम उस धरती के लड़के हैं...

1 A 1) अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए: २

A 2) स्वमत: २

'प्रल्हाद' के विषय में आठ-दस पंक्तियों में अपने विचार लिखिए।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण):१४ अंक

प्र ४ सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

(१) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए । १

कई स्थानों पर नौकरी के लिए आवेदन कर चूका हूँ।

(२) निम्नलिखित अव्यय शब्दों में से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। १

i) के लिए -

ii) अरे -

(३) तालिका पूर्ण कीजिए। (कोई एक) १

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i)	नम: + कार	....
ii) गिरीश	....	....

(४) सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए। (कोई एक) १

i) मौसम आता-जाता रहेगा।

ii) वह दिनभर खेलता रहा।

(५) 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए। (कोई एक) १

B KUMAR'S ACADEMY

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
छोडना	....	....
लौटना	....	....

(६) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए । १

उसे कक्षा में प्रथम आने की लगन हो गई।

(धुन सवार होना, मोहित होना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए।

१) देखते रह जाना -

२) हृदय का बोल उठना -

(७) वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। १

१) मैंने उनके हाथों को छुआ ।

२) कविताओं से उन्हें प्यार था।

(८) वाक्य में यथास्थान विरामचिह्नों का प्रयोग कीजिए। १

१) पहला उपन्यास लिखा १९४४ में महाकाल जो छपा १९४६ में.

२) में भी पूछता हूँ जानते हो ये अस्त्र शस्त्र क्यों बढ़ रहे हैं

(९) सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (कोई दो) २

i) वहाँ तस्वीर टंगी हुई है। (पूर्ण भूतकाल)

ii) प्राण को मन से अलग करना पड़ा। (सामान्य भविष्यकाल)

iii) फूल पंखुरी-पंखुरी झर जाएगा। (पूर्ण भूतकाल)

(१०) i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए। १

हमारी सामाजिक विचारधारा में एक बड़ा भारी दोष है।

ब) १) सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए।

आज तो बड़ी तेज ठंड है।

(विस्मयार्थक वाक्य) १

२) वाक्य शुद्ध करके फिर से लिखिए। २

i) मेहमान मंडली अभी बैठा हुआ था।

ii) सही ओर संपूर्ण साहित्य वह है, जिसकी हम दोनों आँखों से देखती है।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : २६ अंक

प्र.५.अ. पत्र लेखन ।

१) निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्र-लेखन कीजिए । (५)

योगेंद्र कुमार, १०/१२, इमामपुर से अपने क्षेत्र में बिजली संकट से उत्पन्न समस्या की और ध्यान आकर्षित करने हेतू दैनिक भारत के संपादक को पत्र लिखिए :

अथवा

B-90 अनंत विहार कान्हेरे चौक, मल्हार नगर शिर्डी से नाचिकेत/नचिकेता भाषण स्पर्धा में प्रथम आने पर अपने मित्र हर्षल को / हर्षाली को पत्र लिखता/लिखती है।

२) गद्य - आकलन प्रश्ननिर्मिति ।

निम्नलिखित गद्यांश पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो। (४)

प्रयत्न हमेशा सकारात्मक होने चाहिए। मानवी इतिहास के विकास में नकारात्मक प्रयत्न मानवीय जीवन के लिए घातक साबित हुए हैं। हमारे प्रयत्नों की नींव में मानवीय मूल्य होने चाहिए। उनमें सामाजिक हित के संदर्भ होने चाहिए। प्रयत्न व्यक्ति और समाज की जिंदादिली का लक्षण है। प्रयत्नों के कारण जीवन में चैतन्य का निर्माण होता है। जीवन आनंददायी, सफल, सार्थक और कल्याणकारी बनता है। प्रयत्नहीन जीवन न केवल नीरस, उबाऊ और शुष्क होता है, अपितु उन्नति में भी वह बाधक होता है, इसलिए मनुष्य को हमेशा प्रयत्नशील रहना चाहिए। जीवन में सफलता-असफलता की चिंता छोडकर निरंतर बिना रुके, बिना उकताए, अपने उद्देश्यों की तरफ कदम बढ़ाते रहना चाहिए। जो आनंद और संतोष इसमें है, वह अतुलनीय तथा अवर्णनीय है। इसी से हमारे जीवन को अर्थ प्राप्त होता है।

आ) १)वृत्तांत लेखन । (५)

विद्यालय में आयोजित 'शिक्षक दिन' पर वृत्तांत तैयार कीजिए ।

(०५ सितंबर २०२० संस्कार विद्यालय,

B. KUMAR'S ACADEMY

पूणे - ४११००२)

अथवा

कहानी लेखन ।

एक लालची आदमी ----कड़ी तपस्या करना---देवता का प्रसन्न होना----वरदान देना---दौडकर जितनी जमीन घेरोगे, उतनी तुम्हारी ---दौड़ते रहना ----थककर गिरना ----मृत्यु ----सीख ।

२) विज्ञापन लेखन । **(५)**

बाल-मासिक पत्रिका 'विवेकानंद' के लिए निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

मुद्दे: आकर्षक लेख, बोधकथाएँ, कार्टून कथा, चित्रलेख ।

इ) निबंध लेखन । **(७)**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग ८०-१०० शब्दों में निबंध लिखिए ।

१) यदि मैं अंतरिक्ष यात्री होता...

२) मेरा प्रिय हिंदी कवि ।

३) नदी किनारे दो घंटे

* * *